



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 16] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 18, 1987 (चैत्र 28, 1909)

No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 18, 1987 (CHAITRA 28, 1909)

इस भाग में चित्र पाठ संख्या दी जाती है जिससे यह इस संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate Compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III--SECTION 4]

विविध निकायों द्वारा जारी की गई विविध घटिकाएँ जिसमें कि अदेश, विज्ञापन और रूचिरां शामिल हैं।

[Miscellaneous Notifications Including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

दि इस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया
नई दिल्ली-110002, दिनांक 25 मार्च 1987
(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं. 1-सी. ए. (7)/156/87 :—चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन्स, 1964 के रेग्युलेशन 59 का उप रेग्युलेशन (2) की व्यवस्थाओं के अनुसार, इस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया की परिषद को, अति शीघ्र काल से ही, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स विद्यार्थीं संघ के नियमों में निम्नलिखित संशोधन करने में हार्द है :—

कथित नियमों में—

I. वर्तमान नियम 16 के उप नियम (2) को निम्न उप नियम (2) से बदल दें :—

“(2) यदि उप नियम (1) के उद्देश्यों के लिये बुलाई गई किसी सीटिंग के समय से अधिक घण्टे के द्वितीय में, व्यवस्थित कार्रम पर नहीं होता है तो इस प्रकार की सीटिंग को अगले हफ्ते के उसी दिन, उसी समय तथा उसी स्थान पर स्थागित समझी जायेगी।”

प्रबन्ध समिति की इस तरह स्थागित सीटिंग में, कम से कम 2 सदस्यों की उपस्थिति जिसमें कि एक सदस्य क्षेत्रीय परिषद् द्वारा विद्यार्थीं संघ की प्रबंध समिति में मनोनीत किया हुआ है, उपस्थित होने वाले इस संस्था को कार्रम माना जायेगा और इन्हें सीटिंग में सम्मिलित उन समस्त विद्यार्थीं पर विचार करने का अधिकार होगा जिन पर कि मूल सीटिंग में, पूरे कार्रम के होने पर व्यवस्थित रूप से विचार किया जा सकता था।”

II. वर्तमान नियम 26 के उप नियम (5) को निम्न उप नियम (5) से बदल दें :—

“(5) नियम 16(2) की व्यवस्थाओं के सिवाय, किसी एसी सीटिंग में किसी भी विषय पर विचार नहीं किया जाएगा, जब तक कि कम से कम 5 सदस्यों का कार्रम नहीं हो तथा उनमें से एक क्षेत्रीय परिषद् द्वारा विद्यार्थीं संघ द्वारा प्रदत्त समिति में मनोनीत सदस्य हों वाले, यदि कथित कार्रम पूरा नहीं हो तो, कथित बैठक को स्थागित समझा जायेगा।”

III नियम 27 के उप नियम (2) के अन्त में निम्नलिखित जोड़ दें :—

“बैंक खाते को कम से कम प्रबन्ध समिति के द्वारा सदस्यों द्वारा कियान्वित किया जायेगा, जिनमें से एक या तो दिवाधी संघ का अध्यक्ष हो या विद्यार्थी मंत्र की प्रबन्ध समिति में क्षेत्रीय परिषद् द्वारा मनोनीत सदस्य हो।”

दिनांक 26 मार्च 1987

सं० 3-एन० सी० ए० (4)/4/86-87—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा (1)(ग) द्वारा प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से निम्नलिखित सदस्यों का नाम निर्धारित शुल्क न जमा करने के कारण उनके आगे दी गयी तिथि से हटा दिया है :—

क्र०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
सं०			
1	2	3	4
1.	9248	श्री जतिन्दर पाल सिंह, 12/9, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली-110005	1-8-84
2.	9251	श्री विजेन्द्र कुमार जैन, केयर ओफ मेमर्स एन०क० कुमार एण्ड क०, 5625, कुतब रोड, नई दिल्ली-110006	1-8-82
3.	14220	श्री बृजेन्द्र नाथ कपूर, सी-7/3, माझल टाउन, दिल्ली-110009	1-8-79
4.	82935	श्री विजय कालरा, ई-15, बाली नगर, नई दिल्ली-110015	1-8-85

दिनांक 6 अप्रैल 1987

सं० 28-आर० सी० (4)/15/87—चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रेग्लेशन 1964 के रेग्लेशन 136(1) के अनुसरण में दि कोसिल आफ दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया को 14 फे वरी 1987 से रांची में मध्य भारत क्षेत्रीय परिषद की शाखा स्थापित करने की सूचना देने हुए प्रमाणता है।

यह शाखा मध्य भारत क्षेत्रीय परिषद की रांची शाखा मात्री जाएगी।

रेग्लेशन 136(3) के अन्तर्गत जैसा कि निर्धारित है यह शाखा क्षेत्रीय परिषद के माध्यम से परिषद के नियंत्रण, पर्यवेक्षण एवं निर्देशन में कार्य करेगी और सभी उन निर्देशों का पालन करेगी जो कि परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किए जायेंगे।

आर० एल० औपड़ा
सचिव

बम्बई-400 005, दिनांक 13 मार्च 1987

सं० 3-डब्ल्यू० सी० ए० (8)/19/86-87—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10(1) खण्ड (तीन) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किए प्रैकिट्स प्रमाण-पत्र उनके आगे दी गयी तिथियों से रद्द कर दिए गए हैं क्यों कि वे अपने प्रैकिट्स प्रमाण-पत्र को रखने के इच्छुक नहीं हैं।

क्र०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
सं०			
1	2	3	4
1.	01060	श्री बी० पी० सुरती, ए० सी० ए० 13, रस्तम बाग, संत सावता मार्ग, बम्बई-400 027	13-6-85
2.	01831	श्री आर० आर० वारियर, ए० सी० ए० आनन्द नगर, फ्लैट सं० 207, “सी” दूसरा माला, फोरजेट मार्ग, बम्बई-400 036	01-4-85
3.	05075	श्री दिलीप ए० शाह, ए० सी० ए० 5, परमेश्वर विला, रोड-4, सांताकुज (पु०), बम्बई-400 055	01-4-85
4.	10224	श्री बी० एम० दवे, ए० सी० ए० सी-168, मधुवन, विष्णुको सोसायटी नं० 2, हर्ष-करेलीबाग रोड, बरोडा-390 006	01-4-85

1	2	3	4	1	2	3	4	
5.	12500	श्री योगेश एन० भगत, एफ०सी०ए०, रानकुपा, 3रा माला, मेन एवेन्यू रोड, सांताकुज-पश्चिम, बम्बई-400 054 ।	24-1-87	13.	33405	श्री सी० एल० राठी, ए०सी०ए०, 2रे मालेपे, रजनी स्मृति, गणेशपेठ, नागपुर-440 002 ।		01-4-85
6.	15062	श्री ए० एन० शेठ, एफ०सी०ए०, बंगलो नं० 8, हरिभापती-एक्सटे० सोसायटी, पुराना पदरा रोड, बरोडा-390 015 ।	28-2-87	14.	33899	श्री जैड० एफ० फल्की, एसीए, 01-4-85 बी-8, न्यू-विक्रम सोसायटी, जे० पी० रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-400 058 ।		
7.	17671	श्री डी० सी० व्यास, एफ०सी०ए०, “गुरुकृष्ण”, 20. , समता हौसिंग सोसायटी, ग्रामोक नगर, पूर्णा-411 007 ।	12-6-85	15.	35125	श्री एस० सी० चिंचोलिकर, ए०सी०ए०, 2-11, अजय अपार्टमेंट्स, 401-ए, सेनापति बापट रोड, विनय चेंबर्स के पास, पुणे-411016	07-5-85	
8.	18018	श्री द्वी० राममूर्ती, ए०सी०ए०, 01-4-82 सेक्टरी कम फायनान्स मैनेजर, मेसर्स, गुजरात हिमालया सीमेंट लि०, जीवन ज्योत, एम० जी० रोड, पो० बाक्स नं० 43, पोरबन्दर-360 575 ।		16.	35863	श्री मुधीर जैन, ए०सी०ए०, 134, सी लाई “बी”, 117, कफ परेड, कोलाबा, बम्बई-400 005 ।	02-3-87	
9.	23632	श्री एच० के० बालसुब्रमण्यन, 05-4-86 ए०सी०ए०, फ्लैट सं० 317, ब्लाक नं० 13, सेक्टर नं० 7, सी० जी० एस० कोलानी, प्रन्दाप हिल, बम्बई-400 037 ।						
10.	31192	श्री पी० ए० कुमार, ए०सी०ए०, रमायण, 2रा माला, ग्रानत्व विहार हाउसिंग सोसाइटी, 20वा “ए” रोड, खार (प), बम्बई-400 052 ।	01-4-85					
11.	33387	श्री-भ्रनिल नरेन्द्र शाह, ए०सी०ए०, 4 ए, छौपाटी रोड, बाबुलनाथ पहली क्रास लेन, बम्बई-400 007 ।	19-2-87					
12.	33198	श्री सी० टी० पीटो, ए०सी०ए०, 01-2-87 पोरबन्दर कस्टले, कोलाबा, 3री पास्ता लेन, बम्बई-400 005 ।		1.	228	श्री डी० एन० पाण्डेय, के/श्राफ मेसर्स दामानिया पाण्डेय एण्ड बाजन थार्टेंटेस, नवसारी विल्डिंग, डा० दादाभाई नवरोजी रोड, फोर्ट, बम्बई-400 001	10-11-86	
				2.	13685	श्री एम० एम० जोसेफ, मादाधिलपरमपील, वाधामपल्ली, ग्रलेप्पी, केरला ।	06-10-86	

स० 3-डब्ल्यू० सी० ए० (4)/8/86-87—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1(क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गयी तिथि से हटा दिया है ।

क्र०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता सं०	दिनांक 4
1	2	3	
1.	228	श्री डी० एन० पाण्डेय, के/श्राफ मेसर्स दामानिया पाण्डेय एण्ड बाजन थार्टेंटेस, नवसारी विल्डिंग, डा० दादाभाई नवरोजी रोड, फोर्ट, बम्बई-400 001	10-11-86
2.	13685	श्री एम० एम० जोसेफ, मादाधिलपरमपील, वाधामपल्ली, ग्रलेप्पी, केरला ।	06-10-86

1	2	3	4
3.	17068	श्री पी० वेंकटेश्वरण्, 8, कृष्ण महेल, भाऊदाजी क्रास रोड, माटुंगा, बम्बई-400119	07-03-85
4.	3099	श्री टी० एल० देसाई, मेसर्स ठक्कर बुटाला देसाई, कालकोट हौस, पहला माला, 8/10, तामारिद मार्ग, फोर्ट, बम्बई-400 023 ।	04-02-87

आर० एल० चौपडा सचिव

मध्रास-600034, दिनांक 30 मार्च 1987

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 3-एस० सी० ए० (5)/11/86-87:—इस संस्थान की अधिसूचना सं० 3-एस० सी० ए० (4)/13/85-86 दिनांक 31 मार्च 1986 के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में श्री एम० के० नन्जुन्दा, ए० सी० ए०, डिस्ट्री मैनेजर (फाइनेंस), कर्नाटिका को० ओ० आयल सीडीस ग्रोवर्स फेडरेसन लि०, स० 76, कस्तुरी कोम्प्लेक्स, मिसन रोड, बंगलौर 560 027, का नाम दिनांक 5 मार्च, 1987 से पुनः स्थापित कर दिया है। उनकी सदस्यता संख्या 200/21063 है।

આરો એલો ચૌપણા સંચિવ

कानपुर-208001 दिनांक 20 मार्च 1987

सं० 3-सी० सी० ए० (8)/(8)/8सी-87--रेग्लेशन
 10(1) की धारा (4) जिसे चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के रेग्लेशन
 1964 के अधिनियम 10(2)(बी) के साथ पढ़ा जाए, के
 अनुसार एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित सदस्य
 को कार्य करने का प्रमाण-पत्र 1 अगस्त 1985 से रद्द समझे
 जाएंगे क्योंकि उसने वर्ष 1985-86 के लिए कार्य प्रमाण-पत्र
 क्षेत्र वार्षिक शुल्क का भुगतान 31 जुलाई 1985 तक नहीं
 किया था ।

क्र०	सदस्यता	नाम एवं पता
सं०	सं०	
1.	16649	श्री गणेश कुमार राना, ए०सी०ए० 91, एम० जी० डी० मार्केट, निपोली बाजार, जयपुर ।

आर० एल० चौपांडा
सचिव

भारतीय कास्ट एण्ड बर्स एकाउन्टेन्ट्स इन्स्टीच्यूट
कलकत्ता, दिनांक 21 मार्च 1987

सं० 18-सी० डब्ल्यू० आर० (153)/87--कास्ट एवं
 वर्स एकाउन्टेन्ट्स रेगुलेशन, 1959 के विनियम 18 के अनुसार
 यह अधिसूचित किया जाता है कि भारतीय कास्ट एवं वर्स
 एकाउन्टेन्ट्स, इंस्टीच्यूट के परिषद ने उक्त विनियमों के विनियम
 17 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री विवेकानन्द
 मित्रा, एम० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, चीफ
 एकाउन्टेन्ट, कल्याणी बेबेरीज लि०, प्लाट 18, ब्लाक "डी",
 पो० ओ० कल्याणी-741235, जिला-नदिया, पश्चिम बंगाल
 (सदस्यता संख्या एम०/4734) को विनांक 20वीं मार्च 1987
 से सदस्य-पंजी में पुनः स्थापित किया है।

डी० सी० भट्टाचार्य
मुख्य

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल 1987

सं० एन० 15/13/12/5/80—यो० एवं वि० (2)—
 कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम
 95—क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948
 (1948 का 34) की धारा 46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों
 के अनुसरण में महानिदेशक ने राजस्थान ऐसी तारीख के स्थूल
 में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95—क तथा राजस्थान
 कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1955 में निर्दिष्ट चिकित्सा
 हितलाभ राजस्थान राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित
 व्यक्तियों के परिवारों पर लाग किए जायेंगे ।

अथवा :-

“जिला अजमेर में किशनगढ़ की विस्तारित नगर पालिका सीमाओं के अन्तर्गत आने वाले भ्रेत्र”।

हरभजन सिंह निदेशक (योजना एवं विकास)

संचार मंत्रालय (झाक विभाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 मार्च 1987
सचिव

सं० 25-16/86-एल० आई०—नीचे जिन डाक जीवन बीमा पालिसियों का व्यौग विद्या गया है वे विभाग की अभिरक्षा से गुम हो गई हैं। एतद्वारा इनका भुगतान रोक विद्या गया है। निदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमादारों के पक्ष में अनुलिपि बीमा पालिसियां जारी करने के लिए प्राधिकृत

किया गया है। जनता को एतद्वारा मूल पालिसियों का प्रयोग न करने के लिए सावधान किया जाता है :—

क्र० सं० पालिसी की सं०	बीमाकर्ता का नाम	राशि (रुपए)
सर्वश्री		
1. 236444-पी	सुखदेव प्रसाद शर्मा	5,000
2. 147421-पी	ईश्वर दास शर्मा	3,000
3. 307227-सी	बन्त सिंह पंवार	10,000
4. 889-एन०एम ता० 1-3-78	पवन कुमार	7,000
5. 297925-पी	नारायण दास	5,000

दिनांक 2 अप्रैल 1987

सं० 25-15/87-एल० आई०—नीचे जिन डाक जीवन बीमा पालिसियों का ब्यौरा दिया गया है वे विभाग की अभिरक्षा से गुम हो गई हैं। एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि इनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक डाक जीवन बीमा कलकत्ता को बीमादारों के पक्ष में अनुलिपि बीमा पालिसियां जारी करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। जनता को एतद्वारा मूल पालिसियों का प्रयोग न करने के लिए सावधान किया जाता है :—

क्र०	पालिसी सं०	बीमा कर्ता का नाम	राशि
सं०	और तारीख		
1. 176990-सी	श्री बी० मामपिल्ली	5000/-	
	1-2-77		

सं० 25-1/87-एल० आई०—नीचे जिन डाक जीवन बीमा पालिसियों का ब्यौरा दिया गया है वे विभाग की अभिरक्षा से गुम हो गई हैं। एतद्वारा सूचित किया जाता है इनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक डाक जीवन बीमा कलकत्ता को बीमादारों के पक्ष में अनुलिपि बीमा पालिसियां जारी गरने के लिए प्राधिकृत किया गया है। जनता को एतद्वारा मूल पालिसियों का प्रयोग न करने के लिए सावधान किया जाता है।

क्र०	पालिसी सं० व तारीख	बीमाकर्ता का नाम	राशि
सं०			(रुपए)
सर्वश्री			
1. 33765-एन०एम	1-9-80	लालजी भाई	5,000
2. 34903-एन०एम	1-4-80 एस० ई० पी०	निगम मिह'	5,000
3. एल०-139945	30-6-78 एस० ई० पी०	बलकार सिंह	10,000

1	2	3	4
मर्वश्री			
4. 30702-एन०एम	14-6-80 एस० ई० पी०	राम निवास	5,000
5. 30299-एन०एम	1-8-80 एस० ई० प्रार०	सुधीर कटोच	9,000
6. 34069-एन०एम	30-9-80	अशोक कुमार	5,000
7. 37046-एन०एम	8-1-81 एस० ई० पी०	सिया राम	5,000
8. एल०-147616	31-3-80 एस० ई० पी०	जगत नारायण	6,000
9. एल०-146981	15-4-80 एस० पी० प्रार०	नरेन्द्र सिंह	10,000
10. एल०-148309	20-2-80 एस० पी० प्रार०	बाल कृष्ण	10,000
11. एल०-148150	31-12-79 एस० पी० प्रार०	माया मोहन	10,000
12. 36748-एन०एम	30-11-80	भीम बहादुर	9,000
13. 52933-एन०एम	29-10-81 एस० ई० पी०	राजा राम	10,000
14. 74736-एन०एम	31-1-84 एस० ई० पी०	बिष्णु पद पाल	5,000
15. 27637-एन०एम	1-3-80 एस० ई० पी०	भगवान सिंह	5,000
16. 31232-एन०एम	31-5-80 एस० पी० प्रार०	सतनाम सिंह	8,000
17. 36861-एन०एम	6-12-80 जी० एन० प्रार०	मुख्य कुमार	5,000
18. 27804-एन०एम	15-4-80 एस० ई० पी०	घन श्याम मंडल	5,000
19. 36446-एन०एम	12-12-80 एस० ई० पी०	कौरेश प्रसाद	9,000
20. 36447-एन०एम	12-12-80 एस० ई० पी०	विक्रम सिंह	9,000
21. 36452-एन०एम	16-12-80 एस० ई० पी०	राम भूल सिंह	9,000
22. 36453-एन०एम	16-12-80 एस० ई० पी०	नेष्ट राज सिंह	9,000
23. एल०-147970	1-3-79	मुकाकांत बाबूराव जादव	15,000

सं० 25-12/87-एल० आई०—नीचे जिन डाक जीवन बीमा पालिसियों का ब्यौरा दिया गया है वे विभाग की अधिकारी से गुम हो गई हैं। एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इनका भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक डाक जीवन बीमा कलकत्ता को बीमादारों के पक्ष में अनुलिपि बीमा पालिसियां जारी करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। जनता को एतद्वारा मूल पालिसियों का प्रयोग न करने के लिए साथधान किया जाता है:—

क० सं० पालिसी की सं० व तारीख बीमाकर्ता का नाम राशि
(रुपए)

1. 265350—सौ 3-10-79 श्री सी० ए० बलद 10,000

पी० बी० विश्वास
निवेशक (डाक व जीवन बीमा)

इंडियन एयरलाइन्स

नई दिल्ली, विनांक 2 अप्रैल 1987

सं० पी० एफ० बी०/1/1525-इंडियन एयरलाइन्स कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियमों 1955 के अधिनियम 4(1) के अन्तर्गत इंडियन एयरलाइन्स, इंडियन एयरलाइन्स कर्मचारी भविष्य निधि के न्यासी मण्डल के विनांक 19 मार्च 1987 से पुरार्गठन की घोषणा करती है:—

(1) श्री आर० प्रसाद,	अध्यक्ष
योजना निवेशक एवं	
महानिदेशक के आर्थिक सलाहकार	
(2) श्री बी० एस० गुप्ता,	सदस्य
वाणिज्य निदेशक	
(3) श्री कृष्ण देव,	सदस्य
कार्मिक सेवा प्रबन्धक,	
परिचारी क्षेत्र	
(4) कैप्टन सी० पी० गुप्ता,	सदस्य
कमाण्डर,	
इंडियन एयरलाइन्स,	
उत्तरी क्षेत्र	
(5) श्री ए० वास गुप्ता,	सदस्य
बरिष्ठ एयरक्राफ्ट इंजीनियर,	
इंडियन एयरलाइन्स,	
उत्तरी क्षेत्र	
(6) श्री ए० जे० एलिशा,	सदस्य
तकनीकी सहायक,	
इंडियन एयरलाइन्स,	
हैदराबाद।	

दया नारायण
सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

रामपुर राजा पुस्तकालय बोर्ड

रामपुर-244901, दिनांक 20 मार्च 1987

सं० एफ० 8-4/आर० आर० एल०/84-जी० एस० आर०—रामपुर राजा पुस्तकालय बोर्ड अधिनियम, 1975 (1975 का अधिनियम संख्या 22) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए, रामपुर राजा पुस्तकालय बोर्ड, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से निम्नलिखित विनियम बनाता है:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों को “रामपुर राजा पुस्तकालय अनुरक्षण विनियम, 1987” कहा जाएगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की सिधि से लागू होंगे।

2. परिभाषा : इन विनियमों में जब तक सन्दर्भ के अनुसार अन्यथा अपेक्षित न हों,

- (क) “अधिनियम” का अर्थ है—रामपुर राजा पुस्तकालय अधिनियम, 1975 (1975 की सं० 22);
- (ख) “बोर्ड” का अर्थ है, रामपुर राजा पुस्तकालय बोर्ड;
- (ग) “अध्यक्ष” का अर्थ है, बोर्ड का अध्यक्ष;
- (घ) “उपाध्यक्ष” का अर्थ, बोर्ड का उपाध्यक्ष;
- (ङ) “निदेशक” का अर्थ है, पुस्तकालय का निदेशक;
- (च) “सचिव” का अर्थ है, बोर्ड का सचिव;
- (छ) “नियमावली” का अर्थ है, रामपुर राजा पुस्तकालय नियमावली, 1975;
- (ज) “फार्म” का अर्थ है, इन विनियमों के साथ नक्शी किए गए फार्म;

3. उद्देश्य : पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य पुस्तकालय में उपलब्ध पांडुलिपियों, पुस्तकों तथा अन्य लेखों और वस्तुओं को प्राप्त करना तथा उन्हें सुरक्षित रखना और पुस्तकालय के परिसर में अनुसंधान अध्ययेताओं को सामग्री उपलब्ध कराकर एक संदर्भ और अनुसंधान केन्द्र के रूप में कार्य करना है। यह पुस्तकें ऋण स्वरूप देने वाला पुस्तकालय नहीं होगा।

4. पुस्तकालय से पुस्तकें और पांडुलिपियां लेना तथा उन्हें प्रतिस्थापित करना : (1) पांडुलिपियां पुस्तकें, लघु-चित्र तथा अन्य लेख पुस्तकालय से तब तक किसी भी आधार पर नहीं निकाले जायेंगे जब तक कि राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में प्रदर्शन जैसे असाधारण मामलों में और फोटो कापी तैयार कराने, माइक्रोफिल्म के लिए और पुनरुद्धार इत्यादि के लिए, भारत का राष्ट्रीय अभिलेखागार जैसी मान्यताप्राप्त सरकारी संस्थाओं में अस्थायी तौर पर मरम्मत आदि के लिए भारत सरकार और/अथवा बोर्ड की लिखित स्वीकृति प्राप्त न कर

ली गई हो। ऐसी स्थिति में सामग्री बोर्ड/निदेशक द्वारा विधिवत प्राधिकृत किसी अधिकारी/स्टाफ सदस्य के निजी देख-रेख में भेजी जायेगी/भेजी गयी सामग्री को पुस्तकालय के किसी अधिकारी द्वारा स्वयं वापस भी लाया जायेगा।

(2) दुर्लभ वर्ग की पांडुलिपियों को “क” के रूप में अंकित किया जायेगा तथा सामान्य श्रेणी की पांडुलिपियों को “ख” के रूप में अंकित किया जायेगा। सूचिपत्र में केवल “ख” के रूप में अंकित पांडुलिपियों को ही वाचनालय में प्रयोगार्थ उपलब्ध कराया जायेगा।

“क” के रूप में अंकित पांडुलिपियों को बोर्ड के अध्यक्ष या निदेशक/सचिव की विशेष अनुमति से ही प्रागन्तुकों को दिखाया जायेगा।

(3) पुस्तकालय की प्रत्येक पांडुलिपि, पुस्तक अथवा पत्र-पत्रिका पर सुन्दर डिजाइन के पुस्तकालय मोनोग्राम के साथ एक विशेष मोहर लगायी जायेगी।

(4) अध्यक्ष या सचिव/निदेशक की अनुमति से कोई भी प्राधिकृत अध्येता, जो पुस्तकालय में किसी पांडुलिपि अथवा लघु-चित्र की माइक्रोफिल्म की प्रति लेने का इच्छुक हो, निदेशक की देख-रेख अथवा निदेशक द्वारा विधिवत रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी अथवा स्टाफ सदस्य के निजी पर्यवेक्षण में ऐसा कर सकता है।

(5) निदेशक को यह अधिकार प्राप्त होगा कि वह स्टाफ के किसी भी सदस्य को लोकहित में किसी पांडुलिपि की प्रति या प्रतियां बिना मानदेय के तैयार करने का निर्देश दे सकता है।

5. पुस्तकालय के संग्रह का संरक्षण एवं प्रशासन : (1) बोर्ड कोई भी पुस्तक, पांडुलिपि, अन्य लेख तथा वस्तुएं उपहार के तौर पर तब तक स्वीकार नहीं करेगा जब तक कि वह इस बात से संतुष्ट न हो जाए कि ऐसी सामग्री पुस्तकालय में रखने योग्य है।

(2) कोई पुस्तक पांडुलिपि, अन्य लेख और वस्तु उपहार के रूप में स्वीकार हो जाने के बाद से हिसाब में रखी जायेगी और उसे पुस्तकालय के स्टाफ रजिस्टर में रिकार्ड किया जायेगा।

(3) किसी भी पांडुलिपि के पूर्णतः अथवा अधिक पुनः प्रकाशन का अधिकार बोर्ड में निहित होगा।

(4) पुस्तकालय की सभी पुस्तकों वास्तविक विद्यानों को रीडिंग रूम के काम करने के समय में निम्नलिखित प्रतिबन्ध के साथ पढ़ने के लिए उपलब्ध की जायेगी, अर्थात्,—

(क) पुस्तकालय माप्ताहिक और सार्वजनिक छुट्टियों को छोड़ कर सभी काम के दिनों में खुला रहेगा और बोर्ड पुस्तकालय को अनुमंदित माप्ताहिक छुट्टियों अथवा खुलने के समय में परिवर्तन करने के सम्बन्ध में निर्णय करेगा तथा अधिसूचित करेगा;

(ख) आगंतुकों की मंज्या का दैनिक रिकार्ड रखा जायेगा;

(ग) दुर्लभ पांडुलिपियों और दुर्लभ पुस्तकों के अतिरिक्त सभी पुस्तकों पुस्तकालय के भवन में पढ़ने तथा संदर्भ (रेफरेंस) के कामों के लिए ही उपलब्ध होंगी;

(घ) कोई भी व्यक्ति जो पढ़ने की सुविधा से नाभ उठाना चाहता है, बोर्ड द्वारा निर्धारित फार्म ‘क’ पर, जिस पर कि किसी संसद सदस्य, राज्य विधान मण्डल के सदस्य, पुस्तकालय बोर्ड के सदस्य, किसी विश्वविद्यालय के रीडर या विभागाध्यक्ष, केन्द्रीय या राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारी या समय-समय पर अधिसूचित अन्य जिम्मेदार व्यक्ति के विधिवत हस्ताक्षर किए हुए हों, निदेशक को एक आवेदन पत्र देगा;

(ङ) किसी भी व्यक्ति, जिसको पुस्तकालय और पढ़ने की सुविधाओं का उपयोग करने की अनुमति दी गयी है, जो एक पहचान-पत्र ‘ख’ रूप में दिया जायेगा जिसमें उस व्यक्ति का एक फोटो लगा होगा, जिस पर निदेशक के विधिवत रूप में हस्ताक्षर होगे;

(च) यह पहचान पत्र तीन वर्ष की अवधि के लिए बैध होगा;

(छ) पहचान पत्र अहस्तांतरणीय होगा। पहचान पत्र खो जाने की स्थिति में इसके धारक को इसकी दूसरी प्रति 2 रुपए (दो रुपए) की कीस पासपोर्ट माईज के दो फोटो के साथ फार्म ‘ग’ पर निदेशक को एक प्रार्थना पत्र देने पर फार्म ‘घ’ में जारी की जाएगी। फार्म (ङ) में दी गयी व्यवस्था के अनुसार पहचान पत्र के नवीनीकरण के लिए हर प्रकार से पूरा करके एक नया प्रार्थना-पत्र 2 रुपए (दो रुपए) की कीस सहित देना आवश्यक होगा;

(ज) पहचान पत्र प्रवेश द्वारा पर और फिर कभी भी आवश्यक होने पर स्टाफ के किसी भी सदस्य को मांगने पर विवाना होगा।

(झ) पहचान-पत्र की मान्यता अवधि के दौरान यदि पढ़ने वाले के पाते में कोई परिवर्तन होगा तो वह निदेशक को इसकी सुरक्षा सूचना देगा।

(ञ) वह व्यक्ति जो पढ़ने की सुविधा का कभी-कभी उपयोग करना चाहते हैं उन्होंने एक अस्थायी पास दिया जायेगा जो केवल उसी दिन के लिए बैध होगा।

(ट) वह व्यक्ति जिसको पुस्तकालय में प्रवेश की अनुमति दी जाती है, पुस्तकों में की गयी क्षति के लिए स्वयं उत्तरदायी होगा और उसे पुस्तकों का पूरा मूल्य अदा करना पड़ेगा;

(झ) जो व्यक्ति पुस्तकों के प्रमे काटते हुए या उन्होंने किसी प्रकार की हानि पहुंचाते हुए पाये जायेंगे, उन्हें

इन विनियमों के प्रनुसार उस क्षति को पूरा करने के अन्वादा भविष्य में पुस्तकालय के उपयोग से वंचित कर दिया जायेगा;

(इ) दुर्लभ पाण्डुलिपियां विद्वानों तथा अन्य विद्यालय व्यक्तियों को निदेशक की विशेष अनुमति के बाद दिखायी जायेगी और ये निदेशक की उपस्थिति में ही देखी जा सकेंगी;

(इ) ऐसी पुस्तक जो उसके बोध या नाजुक स्थिति में होने के कारण या किसी अन्य कारणों से परामर्श के लिए पुस्तकालय में नहीं दी जा सकती है, उसे निदेशक या उनके द्वारा प्राधिकृत किए गए किसी अधिकारी या स्टाफ के किसी सदस्य के विवेक से ही दिया जा सकेगा;

(ए) छतरियां, छड़ियां, कन्टेनर और अन्य वस्तुओं को पुस्तकालय के अन्दर ले जाने नहीं दिया जायेगा और वाधनालय कक्ष (रीडिंग रूम) के काउंटर पर जमा कर लिया जायेगा;

(ट) पुस्तकालय परिसर में कोई व्यक्ति सिगरेट/बीड़ी नहीं पियेगा, थूकेगा नहीं अथवा ऐसा कोई व्यवहार नहीं करेगा, जो आपत्तिजनक हो;

(थ) पाठक वाधनालय कक्ष में अपनी निजी पुस्तकों निदेशक या उनके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी अथवा स्टाफ सदस्य की अनुमति के बिना नहीं ले जायेंगे;

(द) इन विनियमों को उल्लंघन करते हुए या आपत्तिजनक व्यवहार करते हुए अन्य पढ़ने वालों के काम में बाधा डालते हुए पाये जाने वाले पाठकों को पुस्तकालय में ठहरने की अनुमति नहीं होगी और उनके पहचान पत्र या पास जप्त कर लिए जायेंगे;

(ध) निदेशक किसी भी व्यक्ति को पुस्तकालय के विनियम का लगातार उल्लंघन करने पर पुस्तकालय के उपयोग से वंचित कर सकते हैं।

6. भवनों में संरचनात्मक परिवर्तन तथा उनका निरीक्षण :

(१) पुस्तकालय के वर्तमान भवनों में बोर्ड की अनुमति के बिना किसी भी प्रकार का कोई संरचनात्मक परिवर्तन नहीं किया जायेगा। ये परिवर्तन केन्द्रीय या राज्य लोक कल्याण विभाग या बोर्ड द्वारा अनुमोदित किए अन्य प्राधिकरण द्वारा किए जा सकते हैं।

(२) बोर्ड के सदस्यों को पुस्तकालय भवनों के किसी भी भाग का किसी भी समय निरीक्षण करने का अधिकार होगा।

7. सूची-पत्र तैयार करना आदि : निदेशक बोर्ड की अनुमति से वैज्ञानिक सूची-पत्र, तथा पुस्तकालय में पुस्तकों, पाण्डुलिपियों अन्य लेखों और अन्य वस्तुओं का विवरण तैयार करने का और इनके उचित संरक्षण के लिए ऐसी कार्रवाई करेंगे, जो इस सम्बन्ध में आवश्यक समझी जायेगी।

8. पुस्तकों तथा पाण्डुलिपियों का स्टाक मिलाना :

(१) पुस्तकों, उपस्कर्तां, फर्नीचर तथा लेखन सामग्री जैसी उपभोज्य वस्तुओं के स्टाक मिलाने तथा वास्तविक जौन का कार्य निदेशक अथवा इस सम्बन्ध में बोर्ड/निदेशक द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा सात वर्ष में एक बार किया जायेगा।

(२) पाण्डुलिपियों, लघु-चिकित्सा तथा ऐसी ही अन्य सामग्री का स्टाक मिलाने और वास्तविक जौन का कार्य निदेशक अथवा इस सम्बन्ध में बोर्ड/निदेशक द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा सात वर्ष में एक बार किया जायेगा।

राजेन्द्र कुमार

जिला अधिकारी तथा जिला मजिस्ट्रेट, रामपुर
पवेन सदस्य रामपुर राजा लाइब्रेरी बोर्ड

फार्म "क"

रामपुर राजा पुस्तकालय, रामपुर

पहचान-पत्र जारी करने के लिए आवेदन-पत्र
विनियम (५)(४)(ध) (देखें)

मैं..... अपनी अनुसंधान परियोजना यथा..... के सम्बन्ध में पुस्तकालय में सामग्री के उपयोग के लिए अनुमति लेने के लिए आवेदन करता हूँ।

मैं यह निवेदन करता हूँ कि..... से..... तक के लिए एक पहचान-पत्र मेरे नाम जारी करा दिया जाए।

मेरे हाल के पास-पोर्ट आकार के फोटोग्राफ की दो कापियां संलग्न हैं।

मेरा पूरा विवरण निम्नलिखित है :—

दिनांक

आवेदक के हस्ताक्षर

- पूरा नाम (साफ अक्षरों में).....
- जन्म तिथि.....
- व्यवसाय तथा पदनाम.....
- स्थायी पता.....
- स्थानीय/वर्तमान पता.....
- कोई अन्य प्रासंगिक सूचना.....

आवेदक के हस्ताक्षर

आवेदक की मिफार्स करने वाले प्राधिकारी द्वारा भरा और हस्ताक्षर किया जाएगा

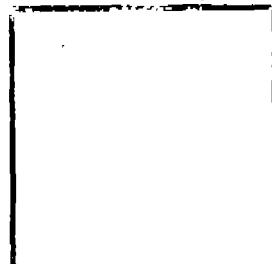
यह प्रमाणित किया जाता है कि मैं श्री..... को निजी तौर पर जानता हूँ और यह

सिफारिश करता हूँ कि उसे.....से.....तक के लिए पुस्तकालय में सामग्री का उपयोग करने की अनुमति दे दी जाए।

दिनांक.....
हस्ताक्षर
सिफारिश करने वाले प्राधिकारी
का नाम तथा पदनाम
पता :

फार्म "ख"
अहस्तांतरणीय
रामपुर राजा पुस्तकालय, रामपुर
पहचान-पत्र
विनियम (5)(4)(३) देखें

नाम.....
स्थायी पता.....
स्थानीय/वर्तमान पता.....
वैधता की अवधि.....
पहचान-पत्र की संख्या.....
जारी करने की तारीख.....



जारी करने वाले प्राधिकारी के हस्ताक्षर

फार्म "ग"

रामपुर राजा पुस्तकालय, रामपुर
पहचान-पत्र जारी करने के लिए आवेदन-पत्र
विनियम (5)(4)(४) देखें ।

मैं.....से.....तक
के लिए जारी किए गए पहचान-पत्र संख्या.....;
जो मुझे से खो गया है, के बदले में द्वितीयक पहचान-पत्र जारी
करने के लिए आवेदन करता हूँ। मैंने पहचान-पत्र खो जाने की
सूचना सम्बन्धित पुलिस प्राधिकारियों को अपने पत्र दिनांक.....
..... (प्रतिलिपि संलग्न) के जरिए
दे दी है।

मैं हाल ही के पास पोर्ट आकार के दो फोटो साथ में संलग्न
कर रहा हूँ।

मैं 2 रु० (दो रुपाएँ) की निर्धारित फीस भी अदा कर रहा
हूँ।

मेरा पुरा विवरण निम्नलिखित है:-

- पूरा नाम (साफ अक्षरों में).....
- जन्म तिथि.....
- व्यवसाय तथा पदनाम.....
- स्थायी पता.....

पहचान-पत्र जारी करने के लिए मेरे पिछले आवेदन-पत्र
दिनांक.....की सिफारिश.....द्वारा की गई
थी।

दिनांक.....
आवेदक के हस्ताक्षर

फार्म "घ"

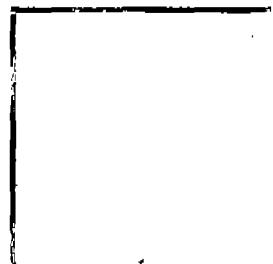
अहस्तांतरणीय

रामपुर राजा पुस्तकालय, रामपुर

द्वितीयक पहचान-पत्र

विनियम (5)(4)(४) देखें

नाम.....
स्थायी पता.....
स्थानीय/वर्तमान पता.....
.....
द्वितीयक पहचान-पत्र
की संख्या.....
जारी करने की तारीख.....



यह द्वितीयक पहचान-पत्रको
जारी किए गए पहचान-पत्र संख्या.....के
बदले में, जो आवेदक से खो गया है, जारी किया गया है।

जारी करने वाले प्राधिकारी
के हस्ताक्षर

फार्म "झ"

रामपुर राजा पुस्तकालय, रामपुर

पहचान-पत्र के नवीनकरण के लिए आवेदन-पत्र

विनियम (5)(4)(४) देखें

मैं.....से.....तक
की अवधि के लिए जारी किए गए पहचान-पत्र संख्या.....
के नवीनकरण के लिए आवेदन करता हूँ क्योंकि अनुसंधान परियोजना से सम्बन्धित मेरा कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है और
इसके सम्बन्ध में मूझे रामपुर राजा पुस्तकालय में सामग्री का
अध्ययन करता है.....
.....तक की अवधि के लिए मेरे
पहचान पत्र का नवीनकरण करने की कृपा की जाए।

मैं पहचान-पत्र के नवीनकरण के लिए 2 रु० (दो रुपाएँ)
की निर्धारित फीस भी इसके साथ अदा कर रहा हूँ।

पहचान-पत्र जारी करने के लिए मेरे मूल आवेदन-पत्र
दिनांक.....की सिफारिश.....द्वारा
की गयी थी।

दिनांक

आवेदक के हस्ताक्षर

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS
OF INDIA

New Delhi-110 002, the 25th March 1987

(CHARTERED ACCOUNTANT)

No. 1-CA (7) /156/87.—In pursuance of sub-regulation (2) of Regulation 59 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India is pleased to make, with immediate effect, the following amendments in the Chartered Accountants Students' Association Rules :—

In the said Rules :—

I. The following sub-rule (2) be substituted in place of the existing sub-rule (2) of Rule 16 :—

"(2) If within half an hour from the time appointed for a meeting convened for the purposes of sub-rule (1), a quorum as provided is not present, the said meeting shall stand adjourned to the same day in the next week at the same time and place and at such adjourned meeting of the Managing Committee, the members present not being less than two, of whom at least one is a member nominated by the Regional Council on the Managing Committee on the Students' Association, shall form the quorum and shall have the power to transact all the business which could properly have been transacted at the original meeting, if the necessary quorum had been present."

II. The following sub-rule (5) be substituted in place of the existing sub-rule (5) of Rule 26 :—

"(5) Except as provided for under Rule 16 (2), no business shall be transacted at any meeting unless there is a quorum of 5 members personally present of whom at least one is a member nominated by the Regional Council on the Managing Committee of the Students' Association. If the said quorum is not present at a meeting, the meeting concerned shall stand dissolved."

III. At the end of the existing sub-rule (ii) of Rule 27, the following be added :—

"The bank account shall be operated by at least two members of the Managing Committee, one of whom shall be either the Chairman of the Students' Association or a member nominated by the Regional Council on the Managing Committee of the Students' Association."

The 26th March 1987

No. 3-NCA(4)/4/86-87.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (c) of sub-section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of non-payment of the prescribed fees, the names of the following members with effect from the dates mentioned against their names:—

Sl. No.	Member-ship No.	Name and Address	Date of removal
1.	9248	Shri Jatinder Pal Singh, 12/9, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-110005.	1-8-1984
2.	9251	Shri Vijender Kumar Jain, C/o M/s. N. Kumar & Co., 5625, Qutab Road, New Delhi-110006.	1-8-1982
3.	14220	Shri Brijender Nath Kapoor, C-7/3, Model Town, Delhi-110009.	1-8-1979
4.	82935	Shri Vijay Kalra, E-15, Bali Nagar, New Delhi-110015.	1-8-1985

The 6th April 1987

No. 28-RC(4)/15/87.—In pursuance of Regulation 136 (1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India is pleased to notify the setting up of a branch of the Central India Regional Council at Ranchi with effect from 14th February, 1987.

The branch shall be known as Ranchi Branch of the Central India Regional Council.

As prescribed under Regulation 136 (3) the branch shall function subject to the control, supervision and direction of the Council through the Regional Council and shall carry out such directions as may from time to time be issued by the council.

R. L. CHOPRA
Secretary

Bombay-400005, the 13th March, 1987

No. 3-WCA(8)/11/86-87.—In pursuance of clause (III) of regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following Members shall stand cancelled from the dates mentioned against their names as they do not desire to hold their Certificate of Practice.

Sr. No.	M. No.	Name & Address	Dates
1	2	3	4
1.	01060	Shri B.P. Surti, ACA 13, Rustam Baug, Sant Savta Marg, Bombay-400027.	13-6-85
2.	01831	Shri R.R. Warrier, ACA Anand Nagar, Flat No. 207, 'C' 2nd Floor, Forjett Street, Bombay-400036.	01-4-85
3.	05075	Shri Dilip A. Shah, FCA 5, Parmeshwar Villa, 4th Road, Santacruz-East Bombay-400055.	01-4-85
4.	10224	Shri B.S. Dave, ACA, C-168, Madhuvan, Dipika Society No. 2 Harni-Karelibag Rd., Baroda-390006.	01-4-85
5.	12500	Shri Yogesh N. Bhagat, FCA Rankrupa, 3rd floor, Main Avenue Road, Santacruz-West, Bombay-400054.	24-1-87
6.	15062	Shri A.N. Sheth, FCA Bungalow No. 8, Haribhupati-Ext. Soc., Old Padra Road, Baroda-390015.	28-2-87
7.	17671	Shri D.C. Vyas, FCA "Guru Krupa", 20., Samta Housing Society, Ashoknagar, Pune-411007.	12-6-85
8.	18018	Shri V. Ramamoorthy, ACA Secretary Cum Finance Manager, M/s. Gujarat Himalaya Cement Ltd. Jeevan Jyoti, M.G. Road, Post Box No. 43, Porbandar-360575.	01-4-82

1	2	3	4
9.	23632	Shri H.K. Balasubramanian, ACA Flat No. 317, Block No. 13, 7th Sector, C.G.S. Colony, Antop Hill, Bombay-400037.	05-4-86
10.	31192	Shri P.A. Kumar, ACA Ramayan, 2nd Floor, Anand Vihar Housing Society, 20th 'A' Road, Khar (W), Bombay-400052.	01-4-85
11.	33387	Shri Anil Narendra Shah, ACA 4A, Chowpatty Road, Babulnath 1st Cross Lane, Bombay-400007.	19-2-87
12.	33198	Shri C.T. Pinto, ACA Porbunder Castle Colaba, 3rd Pasta Lane, Bombay-400005.	01-2-87
13.	33405	Shri C.L. Rathi, ACA 2nd Floor, Rajni Smriti, Ganeshpeth, Nagpur-440002.	01-4-85
14.	33899	Shri Z.F. Fakhri, ACA B-8, Neo-Vikram Soty., J.P. Road, Andheri (W), Bombay-400058.	01-4-85
15.	35125	Shri S.C. Chincholikar, ACA 2-11, Ajay Apartments, 401, —A, Senapati Bapat Rd., Near Vinay Chambers, Pune-411016.	07-5-85
16.	35863	Shri Sudhir Jain, ACA 134, Sea Lord 'B', 117, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400005.	02-3-87

No. 3-WCA(4)/86-87.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (a) of Sub-section (1) of section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, has removed from the Register of members of this Institute on Account of death, with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :

Sr. No.	M. No.	Name & Address	Date of Removal
1.	228	Shri D.N. Panday C/o M/s. Damania Panday & Bajan Chartered Accountants Navsari Building, Dr. Dadabhoy Naoroji Road, Fort, Bombay-400001.	10-11-86
2.	13685	Shri M.M. Joseph, Madathiparampil, Thathampally, Alleppey, Kerala.	6-10-86
3.	17068	Shri P. Venkateswaran, 8, Krishna Mahal, Bhadaji Cross Road, Matunga, Bombay-400 019.	7-3-85
4.	3099	Shri T.L. Desai M/s. Thacker Butala Desai Calcut House, 1st Floor, 8/10, Tamarind Street, Fort, Bombay-400023.	4-2-87

R.L. CHOPRA
Secretary

Madras-600 034, the 30th March 1987

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3-SCA (5) /1/86-87.—With reference to this Institute's Notification No. 3 SCA (4)/13/85-86 dated 31st March 1986 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Member with effect from 5th March 1987 the name of Shri M. K. Nanjunda, ACA, Deputy Manager (Finance) Karnataka Cooperative oil seeds Growers' Federation Ltd., No. 76, Kasturi Complex, Mission Road, Bangalore-560 027.

His Membership Number is 200/21063.

R. L. CHOPRA
Secretary

Kanpur-208001, the 20th March 1987

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3-CCA(8)/(8)/86-87.—In pursuance of Clause (iv) of Regulation 10(1) read with regulation 10(2) (b) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following member shall stand cancelled with effect from 1st August, 1985 as he had not paid his annual fee for the Certificate of Practice for the year 1985-86 till 31st day of July, 1985.

S. No.	Member-ship Number	Name & Address
1.	16649	Shri Ganesh Kumar Rana, A.C.A. 91, M. G. D. Market Tripolie Bazar, Jaipur.

R. L. CHOPRA
Secretary

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS

ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta, the 21st March 1987

No. 18-CWR (153) /87.—It is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Cost and Works Accountants Regulation 1959, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has restored to the Register of Members the name of Shri Bibekananda Mitra, MCOM, AICWA, Chief Accountant, Kalyani Breweries Ltd., Plot 18, Block 'D', P.O. Kalyana—741235, Dist. Nadia, W. B. (Membership No. M/4734), with effect from 20th March 1987.

D. C. BHATTACHARYA
Secretary

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 1st April 1987

No. N. 15/13/12/5/80 P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46 (2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations 1950, the Director General has fixed the 1-4-87 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Rajasthan Employees State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Rajasthan namely :—

"The areas comprised within the extended Municipal limits of Kishangarh in Ajmer District."

HARBHAJAN SINGH
Director (Plg. & Dev.)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS
DEPARTMENT OF POSTS
New Delhi-110001, the 26th March 1987

NOTICE

No. 25-16/86-LI.—PLI Policies particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insurants. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies:—

S. No.	Policy No.	Name of the insurant	Amount (Rs.)
1.	236444—P	Sh. Sukhdev Prashad Sharma	5,000
2.	147421—P	Sh. Ishwar Das Sharma	3,000
3.	307227—C	Sh. Bant Singh Panwar	10,000
4.	889—NM	Sh. Pawan Kumar	7,000
5.	297925—P	Sh. Narain Dass	5,000

The 2nd April 1987

NOTICE

No. 25-15/87-LI.—P.L.I Policies particularised below having been lost from the Departmental Custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insurants. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies:—

S.No.	Policy No.	& date	Name of Insurant	Amount Rs.
1.	176990—C	1-2-77	Sh. V. Mampilly	5000/-

No. 25-1/87-LI.—PLI Policies particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insurants. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies:—

Sl. No.	Policy No. & Date	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1	2	3	4
1.	33765 NM 1-9-80	Lalji Bhai	5,000
2.	34903 NM 1-4-80 Sep.	Nigam Singh	5,000
3.	L 139945 30-6-78 SEP.	Balkar Singh	10,000
4.	30702—NM 14-6-80 SEP.	Ram Nivas Kumar	5,000
5.	30299—NM 1-8-80 MER.	Sudhir Katoch	9,000
6.	34069—NM 30-9-80	Ashok Kumar Hazra	5,000
7.	37046—NM 8-1-81 SEP.	Siya Ram	5,000

1	2	3	4
8.	L—147616	31-3-80 SEP.	Jagat Narain Singh 6,000
9.	L—146981	15-4-80 SPR.	Narender Singh 10,000
10.	L—148309	20-2-80 SPR.	Bal Krishna Subba 10,000
11.	L—148150	31-12-79 SPR.	Maya Mohan 10,000
12.	36748—NM	30-11-80	Bhim Bahadur Thapa 9,000
13.	52933—NM	29-10-81 SEP.	Raja Ram Kadam 10,000
14.	74736—NM	31-1-83 SEP.	Bishnu Pada Paul 5,000
15.	27637—NM	1-3-80 SEP.	Bhagwan Singh 5,000
16.	31232—NM	31-5-80 SEP.	Satnam Singh 8,000
17.	36861—NM	6-12-80 GNR	Subhash Kumar 5,000
18.	27804—NM	15-4-80 SEP.	Ghana Shyam Mondal 5,000
19.	36446—NM	12-12-80 SEP.	Kaushaiesh Prasad 9,000
20.	36447—NM	12-12-80 SEP.	Vikram Singh 9,000
21.	36452—NM	16-12-80 SEP.	Ram Bhool Singh 9,000
22.	36453—NM	16-12-80 SEP.	Lek Raj Singh 9,000
23.	L—147970	1-3-79	Sukakant Babu Rao Jadhav 15,000

No. 25-12/87-LI.—PLI Policies particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insurants. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies:—

S. No.	Policy No.	Date	Name of Insurant	Amount
1.	265350—C	dt. 3-10-79	Sh. C. A. Valand	Rs. 10,000

P.B. BISWAS
Director (PLI)

INDIAN AIRLINES

New Delhi, the 2nd April 1987

Reference No. PFB/1/1525.—Pursuant to Regulation 4(1) of the Indian Airlines Employees' Provident Fund Regulations, 1955, the Indian Airlines, hereby notifies the reconstitution of the Board of Trustees, Indian Airlines Employees' Provident Fund as follows with effect from 19th March, 1987:—

1. Shri R. Prasad President
Director, Planning & Economic Adviser
to Managing Director
2. Shri B.S. Gupta Member
Commercial Director, IA, HQRS.
3. Shri Krishan Dev Member
Manager, Personnel Services,
IA : Western Region,
Bombay.

4. Capt. C. P. Gupta	Member
Commander, IA : Northern Region, Delhi.	
5. Shri A. Dass Gupta	Member
Sr. Aircraft Engineer, IA : Northern Region, Delhi.	
6. Shri A.J. Elisha	Member
Technical Assistant, IA : Hyderabad.	
DAYA NARAIN Secretary	

MINISTRY OF MUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
DEPARTMENT OF CULTURE
RAMPUR RAZA LIBRARY BOARD, RAMPUR
(UTTAR PRADESH)

Rampur-244901, the 20th March 1987

No. F-8-4/RRL/84.—In exercise of the powers conferred by section 28 of the Rampur Raza Library Act, 1975 (No. 22 of 1975) the Rampur Raza Library Board with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely :—

1. *Short title and commencement* : (i) These regulations may be called the "Rampur Raza Library (Maintenance) Regulations, 1987."

((ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. *Definition* : In these regulations unless the context otherwise requires :

- (a) "Act" means the Rampur Raza Library Act, 1975 (No. 22 of 1975);
- (b) "Board" means the Rampur Raza Library Board;
- (c) "Chairman" means the Chairman of the Board;
- (d) "Vice chairman" means the Vice chairman of the Board;
- (e) "Director" means the Director of the Library;
- (f) "Secretary" means the Secretary of the Board;
- (g) "Rules" means the Rampur Raza Library Rules, 1975;
- (h) "Form" means the forms appended to these Regulations.

3. *Objective* : The main objective of the Library is to acquire and conserve manuscripts, books and other articles and things in the library and to serve as a centre of reference and research by providing material to research scholars only in the premises of the library. It shall not be a Lending Library.

4. *Taking out and replacing of books and manuscripts of Library* : (1) No manuscripts, books, miniatures and other articles are to be removed from the Library premises on any ground whatsoever except with the written approval of the Government of India and/or the Board in exceptional circumstances such as for display in national/international exhibitions and for photocopying, microfilming, restoration etc. to recognised Government Institutions like the National Archives of India for a temporary period. In such an eventuality the material will be sent in the personal custody of an officer/member of the staff duly authorised by the Board/Director. The material sent will also be brought back personally by an officer of the Library.

(2) Manuscripts which are of a rare category shall be marked 'A' and those of a common category shall be marked 'B'. Only such manuscripts as are marked 'B' in the catalogue shall be available for use in the reading room. Those marked 'A' shall only be shown to visitors specially permitted by the Chairman or the Director/Secretary of the Board.

(3) A special stamp with library monogram of pleasing design shall be impressed on every manuscript, book or periodical of the Library.

(4) Any authorised scholar approved by the Chairman or the Secretary/Director who is desirous to take a copy or a microfilm or a manuscript or miniature in the library may do so personally under the immediate supervision of the Director or under the personal supervision of an officer or a member of the staff duly authorised by the Director.

(5) The Director is empowered to direct any member of the staff to make a copy or copies of any manuscripts for public good without any remuneration.

5. *Custody and administration of collection of the Library* : (1) The Board shall not accept any books, manuscripts, other articles and things as gift unless it is satisfied that such material is worthy to be preserved.

(2) After a book, manuscript, other article and thing is accepted as gift, the same shall be taken into account and shall be recorded in the stock register of the library.

(3) The right of reproduction of any manuscripts wholly or partly vests in the Board.

(4) All the books of the Library shall be made available to the bonafide scholars for study, in the Reading Room of the Library during its working hours subjects to the following restrictions namely :—

- (a) the library shall remain open on all working days except on approved weekly offs and other public holidays and the Board shall decide and notify whatever and whenever approved weekly offs or timings of the opening of the library are changed;
- (b) a daily record of the number of visitors shall be kept;
- (c) all books except rare manuscripts and rare books shall be made available in the premises of the library for reading and reference purposes only;
- (d) any person desirous of making use of the reading facilities, shall make an application addressed to the director Form 'A' duly endorsed by a Member of Parliament, Member of State Legislature, Member of the Board of the Library, Head of the Department, or Reader in a University, Gazetted Officers of Central or State Governments or any other responsible person as may be notified from time to time by the Board in this behalf;
- (e) a person having been allowed to make use of the Library and reading facilities shall be issued an identity card in Form 'B' which shall contain a passport size photograph of the person duly endorsed by the Director;
- (f) the identity card shall be valid for a period of three years;
- (g) identity card shall be non-transferable. In case an identity card is lost a duplicate of the same may be issued in form 'D' to its holder on application to the Director in form 'C' and on payment of a fee of Rs. 2 (Rs. two) alongwith two passport size photographs. A fresh application complete in all respects as provided for in form 'E' shall be necessary for the renewal of the identity card, alongwith a fee of Rs. 2/ (Rs. two only).
- (h) the identity card shall be shown at the entrance, and again, if required, at any time to any member of the staff on demand;

- (i) any change of address during the validity of the identity card, shall be notified to the Director immediately;
- (j) persons wishing to make use of the reading facilities casually, shall be admitted on the grant of temporary pass holding good for the day of issue;
- (k) the reader who is duly admitted into the Library shall be responsible for any damage done by him to the books and shall be liable to pay the full price of the books;
- (l) persons found mutilating the pages of books or otherwise damaging them, besides making good the loss in accordance with these regulations, shall be debarred from the use of the Library in future;
- (m) rare manuscripts shall be shown to scholars and other eminent persons on the special permission of the Director and the same shall be consulted in the presence of the Director;
- (n) any book which owing to its bulk or its brittle condition or for any other reason, cannot be safely given for consultation in the Library, shall be supplied only at the discretion of the Director or an officer or member of the staff duly authorised by him;
- (o) umbrellas, sticks, containers and other things shall not be taken into the Library and shall be deposited at the counter of the reading room;
- (p) no person shall smoke, spit or behave in any objectionable manner inside the premises of the Library;
- (q) the readers shall not take into the reading room their own books without special permission of the Director or an officer or member of the staff duly authorised by him;
- (r) readers found violating any of these regulations or misbehaving in any way, or disturbing other readers by conversation or otherwise shall not be allowed to remain in the library and their identity cards or passes shall be liable for forfeiture;
- (s) the Director may debar any person from the use of the library in case of persistent infringement of any of the regulations of the library.

6. *Structural alterations to buildings and their inspection :*
 (1) No structural alterations of any kind shall be made to the existing buildings of the Library without the approval of the Board. Such alterations may be carried out by the Central or State Public Works Department or any other authority approved by the Board.

(2) Members of the Board shall have the right of inspecting part of the library building at any time.

7. *Preparation of Catalogue etc :* The Director shall take such steps as may be deemed necessary for preparing scientific catalogues and inventories of books, manuscripts, other articles and things in the Library and also for their proper preservation subject to the general approval of the Board.

8. *Stock-taking of books and manuscripts etc :* (1) The stock-taking and physical verification of books, equipment, furniture and consumable articles like stationery etc. shall be conducted once in three years by the Director or any other officer authorised by the Board/Director in this behalf.

(2) The stock-taking and physical verification of manuscripts, miniatures, and like material shall be conducted once in seven years by the Director or any other officer authorised by the Board/Director in this behalf.

RAJENDRA KUMAR

Collector and District Magistrate, Rampur
ex-officio Member Rampur Raza Library Board

Form 'A'

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Application for issue of Identity Card

See Regulations 5 (4) (d)

I apply for permission for use of material in the Library in connection with my research project namely :—

I have read for rules and regulations pertaining to the use of the material in the Library and promise to abide by the same.

I request shall an Identity Card may be issued in my name from to Two copies of my recent passport size photographs are attached.

I furnish below full particulars about myself.

Dated

Signature of the Applicant

Name (in block letters)

Date of Birth

Occupation with designation

Permanent Address

Local/Present Address

Any other relevant information

Signature of the Applicant

To be filled in and signed by the authority

recommending the applicant

This is to certify that I personally know Sri and recommend that he be permitted to make use of the material in the Library from to

Signatures

(Name and designation of the recommending authority)

Dated

Address :

Form 'B'

NON-TRANSFERABLE

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

IDENTITY CARD

See Regulation (5) (4) (e)

Name

Permanent Address

Local/Present Address

Period of validity

Number of Identity Card

Date of Issue



Signatures of the
Issuing Authority

Form 'C'

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Application for issue of duplicate Identity Card

See Regulation (5) (4) (g)

I, apply for issue of a duplicate Identity Card, in lieu of Identity Card No. issued to me on for the period from to which has been lost by me. I have reported the loss of the Identity Card to the concerned police authorities as per my letter date (copy attached).

I attach herewith two recent passport size photographs.

I tender herewith the prescribed fee of Rs. 2/- (Rs. Two) only.

Full particulars about myself are furnished below:

Name (in block letters)

Date of Birth

Occupation with designation

Permanent Address

My previous application dated for issue of an Identity Card to me was recommended by

Date

Signature of the Applicant

Form 'D'

NON-TRANSFERABLE

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

DUPLICATE IDENTITY CARD

See Regulation (5) (4) (g)

Name

Permanent Address

Local/Present Address

Period of validity

Number of Identity Card

Date of Issue

This duplicate Identity Card has been issued in lieu of Identity Card No. issued on and reportedly lost by the applicant.

Signature of the
Issuing Authority

Form 'E'

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Application Form For Renewal of Identity Card

See Regulation (5) (4) (g)

I, apply for renewal of Identity Card No. which was issued to me on for the period from to as I have not yet finished the work on the research project for which I have to consult the material in the Rampur Raza Library. The Identity Card may please be renewed for the period from to

I tender herewith the prescribed fee of Rs. 2/- (Rs. Two) only for the renewal of the Identity Card.

My original application dated for the issue of Identity Card to me was recommended by

Date

Signature of the Applicant

